अंतर्राष्ट्रीय परमाणु हथियार पूर्ण उन्मूलन दिवस

स्रोत: संयुक्त राष्ट्र

परमाणु हथियारों के खतरे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके उन्मूलन को बढ़ावा देने के लिये प्रतिवर्ष 26 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु हथियार पूर्ण उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। इसे वर्ष 2013 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** द्वारा घोषित किया गया था।

- **वर्ष 1978 में आयोजित निरस्त्रीकरण को समर्पित संयुक्त राष्ट्र महासभा** के प्रथम **विशेष सत्र में** परमाणु निरस्त्रीकरण की प्रासंगिकता की पुनः पुष्टि की गई।
- **परमाणु ऊर्जा आयोग** ने परमाणु ऊर्जा को नियंत्रित करने और सामूहिक विनाश के हथियारों को खत्म करने के उपायों का प्रस्ताव रखा।
- **संयुक्त राष्ट्र महासभा की अन्य पहल:**
  - **व्यापक निरस्त्रीकरण,1959**
  - निरस्त्रीकरण पर विशेष सत्र,1978
  - **परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (TPNW) का समर्थन किया**
- **भारत के प्रयास:**
  - भारत ने **अप्रसार और निरस्त्रीकरण का** समर्थन करते हुए समयबद्ध ढाँचे के तहत **सार्वभौमिक, गैर-भेदभावपूर्ण और सत्यापन योग्य परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत की है।**
  - भारत अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता के लिये खतरा पैदा करने वाली संस्थाओं को प्रौद्योगिकी, सामग्री या घटकों के हस्तांतरण को नियंत्रित करने वाले विभिन्न समूहों का हिस्सा है।
- **वासेनार व्यवस्था**
- ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (AG)
- मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (MTCR)

और पढ़ें: भारत का सुरक्षित परमाणु भविष्य

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-day-for-the-total-elimination-of-nuclear-weapons